

હર



શસ્ત્ર

નયાલ રાષ્ટ્ર સાહિત્ય યાત્રા ત્રિવરુ ક્રામ્યસ

ग्यसुग्यंगु व स्याचूगु रचनां छायापा

नेपाल भाषाया दंपौ

JAA the only registered annual magazine in Nepal Bhasa

सम्पादक

केशरमान ताम्राकार



सह-सम्पादक

ज्ञानेन्द्र आर. स्थापित
बिबेन्द्र प्रसाद सिंह

व्यवस्थापक

सागर राज शाक्य
विजयेश्वर वैद्य



देवः किरा

शरद रंजित

किंगूगु प्रकाशन

ने. सं. ११००

पिकाक

नेपाल भाषा साहित्य पाला
त्रि-चन्द्र क्याम्पस

थाकू : श्री कुमारी इण्डस्ट्रीज, खिचापुखू मू - छगूया हुतका

वृत्तः

चिन्ताखँ

| | | |
|-----------------------------|-----------------------|-----|
| धँय्तयगु देश | जगदीश चित्रकार | ६ |
| जीवन : निगू परिभाषा | भाइराजा महर्जन | १२ |
| सुर्य थः हे-महान खः | अमृत रत्न तुलाधर | १३ |
| थुइके माःगुला थ्व खः | नारद वज्राचार्य | १४ |
| गथुः क्यबं मालाच्वंम्ह | लाभ रत्न तुलाधर | १८ |
| थौया कविता..... | प्रा. आनन्द जोशी | १६ |
| उकुमुकु दंगु..... | पुर्ण रंजित | २५ |
| जिगु जीवनः..... | प्रकाश मान श्रेष्ठ | २६ |
| जि खना थें | रामशरण साय्मि | २६ |
| सान्त्वना | निलम ताम्राकार | २७ |
| झी देना च्वना | श्याम सुन्दर सय्जु | २८ |
| जीवनः विवशताय्... | रमिता साय्मि | २६ |
| जि छगू देशया..... | सुदन खुसः | ३० |
| ल्याय्म्ह जः | साबित्री रंजित | ३२ |
| जि अध्यायः..... | लोकेन्द्र वज्राचार्य | ३३ |
| इतिहास च्वइ..... | अरुणदेव भट्टराई | ३६ |
| फुकक मनू | गिरिजा प्रसाद | ३७ |
| व्यथा | प्रतिभा बादे श्रेष्ठ | ४३ |
| सुझाव | सुमित्रा मानन्धर | ४३ |
| मेचय् मथिइगु..... | सुर्यराम श्रेष्ठ | ४४ |
| जिगु देश | कवि दुर्गालाल | ४६ |
| शहीद ध्वाखा | भगत दास | ४७ |
| ह्यू पाः आसांघ्याःगु मिखाय् | पुष्प राज राजकर्णिकार | २३२ |

स्त्रखँ

| | | |
|-------------------|-----------------|----|
| व्यस्त संसारय्-जि | बिजयेश्वर बैद्य | ४६ |
|-------------------|-----------------|----|

| | | |
|----------------------|---------------------|----|
| जिगु निबन्ध... | रत्नध्वज जोशी | ५५ |
| न्ह्यः मवः | अमीररत्न ताम्राकार | ५६ |
| विद्यार्थी व राजनिति | ज्यान बहादुर नेवाः | ६८ |
| धाकुफ्या लसकुसय् | प्रा. पुर्ण बैद्य | ७२ |
| कुसि स्यानावलय्... | पुर्णकाजी ताम्राकार | ८१ |

बाखँ

| | | |
|-----------------------|---------------------|-----|
| ठण्डा वरफ | ज्ञानेन्द्र स्थापित | ८६ |
| छु जू छु जू | राजा शाक्य | ८४ |
| न्ह्यखा हालां त्वःतिइ | मंगल देवी स्थापित | ८६ |
| ख्यूँ जलय्... | सागरराज शाक्य | १०१ |
| इताः | श्रीलक्ष्मी श्रेष्ठ | १०५ |
| थौं थें हे च्वं | तीर्थलाल नःघःभनि | १०७ |
| दबू | शशीकला मानन्धर | ११५ |
| पिया च्वंगु ई | पञ्चरत्न शाक्य | १२० |
| थथे है | रमेशकाजी स्थापित | १२६ |
| नुगः | शरद रंजित | १३३ |
| पराजित नं. | साःमि, येँ | १३७ |

खयालः

| | | |
|----------|------------------|-----|
| सनांगुथि | पद्म रत्न तुलाधर | १४० |
|----------|------------------|-----|

उच्च शिक्षा

| | | |
|------------------|------------------------|-----|
| उच्च शिक्षाय्... | प्रा. सुन्दरकृष्ण जोशी | १४८ |
|------------------|------------------------|-----|

भाषा

| | | |
|------------------|--------------------|-----|
| बिभक्ति थ्वीक... | प्रा. काशीनाथ तमोट | १५७ |
|------------------|--------------------|-----|

समालोचना

| | | |
|-------------------------|---------------------------|-----|
| जन्म सर्गः छगू अध्ययन | प्रा. जनकलाल बैद्य | १६१ |
| जिगु मिखाय्-मोतिलक्ष्मी | प्रा. प्रेम शान्ती तुलाधर | १७३ |
| कवियाके समालोचकया... | प्रा. माणिकलाल श्रेष्ठ | १८० |

| | | |
|-----------------------|-----------------|-----|
| मिफुति : बाखं अध्ययन | राम भक्त | १८६ |
| नेपाः भाषाया कविता... | मल्ल.के. सुन्दर | १६० |

पुलां बाखं

| | | |
|------------------------|---------------|-----|
| कन्यादान सुयात विइगु ? | करुणाकर बैद्य | २०४ |
|------------------------|---------------|-----|

प्याखं

| | | |
|------------------------------|------------------|-----|
| न्हूजः लुइ न्ह्यो विज्ञान | प्रकाशमान नानीचा | २०६ |
|------------------------------|------------------|-----|

| | | |
|------------------|------------------------|-----|
| मुस्या-छगू चर्चा | प्रा. सावित्री श्रेष्ठ | २२३ |
| नेपाःया मरुभूमि | केशवमान शाक्य | २२७ |

खँ लह्हा बलह्हा

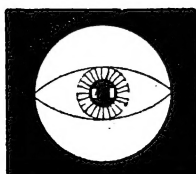
| | | |
|------------------------|--|-----|
| भाजु मथुरा साय्मि लिसे | | २३३ |
|------------------------|--|-----|

लुमन्ति

| | | |
|-------------------------|-----------------------|-----|
| जःया जन्म छगू यथार्थ... | हितकर बीर सिंह कंसकार | २४५ |
|-------------------------|-----------------------|-----|

छु छिं मिखां मछूला ?

अयसा ! जिमिथाय् मिखा तेल्लाइगु, थीगु, सिचुइगु,
धैघैगु चस्माया नापं छिगु पुलांगु चस्माया खा,
फ्रेम हिलेत व न्हू थें च्वंक दंक भिक ह्योनेत नं
जिमिथाय् हे मासँ न्है ।



अष्टिक नर्भ

न्हू सतक,
(भूगोल पार्कया न्हयोने।)